हादसा

एक्वेरियम की मछलियां तक जलीं, बेटी की शादी की चल रही थी तैयारी के पहले दो बाइक, जेवर, कैश सब जलकर खाक

इंदौर जैसी आग शहडोल में, ई-स्कूटी ब्लास्ट से सुपरवाइजर के घर में लगी भीषण आग

नवभारत ,धनपुरी।) शहडोल से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां चार्जिंग में लगी एक ई-स्कूटी अचानक आग का गोला बन गई और देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया,कुछ ही दिनों बाद बेटी की शादी होनी थी, लेकिन उससे पहले ही आग ने घर, जेवर, कैश और शादी की सारी तैयारियों को राख कर दिया, आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया, इस हादसे में घर में खड़ी दो बाइक, एक ई-स्कूटी, लाखों रुपये के जेवरात, करीब दो लाख रुपये नकद और बेटी की शादी का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया, इंदौर जैसी घटना की तर्ज पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर ई-वाहनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्य प्रदेश के इंदौर में हुए भीषण अग्निकांड की तर्ज पर अब शहडोल जिले में एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ अमलाई थाना क्षेत्र के धनपुरी नगर पालिका अंतर्गत वार्ड नंबर 12 में स्थित महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर सुनीता रजक के निवास पर बीती रात ई-स्कूटी में हुए जोरदार धमाके ने पूरे घर को श्मशान बना दिया,21 अप्रैल को होने वाली बेटी की शादी की तैयारियों के बीच इस हादसे ने परिवार को सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, श्रीमती सुनीता रजक और उनका परिवार रात में गहरी नींद में था। घर के आंगन में खड़ी इलेक्ट्रिक ई-स्कूटी चार्जिंग पर लगी थी, रात के सन्नाटे में अचानक ई-स्कूटी की बैटरी में जोरदार ब्लास्ट हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने घर के इलेक्ट्रिक मीटर और मुख्य द्वार को अपनी चपेट में ले लिया।

दीवार लांघकर बचाई जान मौत के मुंह से निकला परिवार

आग की तपिश और धुएं से जब परिवार की नींद खुली, तो बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका था। जान बचाने की जद्दोजहद में सुपरवाइजर सुनीता रजक, उनके पति और बेटी ने घर की पिछली दीवार लांघकर पड़ोसी के घर में शरण ली, इस दौरान किचन में रखे दो गैस सिलेंडर आग की जद में आ गए थे, गनीमत रही कि मोहल्ले वासियों और परिवार ने अदम्य साहस दिखाते हुए समय रहते जलते घर के अंदर से सिलेंडरों को बाहर निकाला, वरना एक बड़ा विस्फोट पूरे मोहल्ले को तबाह कर सकता था।

इस भीषण आग का मंजर देख प्रत्यक्षदर्शियों की रूह कांप गई

वाहन,घर में खड़ी दो पल्सर बाइक और एक ई-स्कूटी पूरी तरह जलकर कंकाल बन गई, ?21 अप्रैल को होने वाली बेटी की शादी के लिए जुटाए गए लाखों के जेवरात, दो लाख रुपये नकद और गृहस्थी का कीमती फर्नीचर स्वाहा हो गया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घर में रखा एक्वेरियम भी नहीं बच सका और उसमें मौजूद मछलियां तक जलकर मर गईं, वहीं, घर के मंदिर में रखी भगवान की प्रतिमाएं और इलेक्ट्रिक मीटर भी आग की चपेट में आ गए। घटना के दौरान दमकल विभाग की बड़ी चूक सामने आई, मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी का पाइप छोटा पड़ गया, जिससे आग बुझाने में बाधा आई। अंततः पड़ोसियों ने 5 घंटे तक बाल्टियों और बर्तनों से पानी डालकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। वही इस पूरे मामले अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के अमराडंडी में एक महिला के घर अज्ञात कारणों से आग लगी थी, आगजनी कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

वीडियो बना ले, गैस नहीं मिलेगी : मैनेजर

गैस एजेंसी मैनेजर की दबंगई सिलेंडर मांगने पर युवक से की हाथापाई

नवभारत,शहडोल । जिले के जयसिंहनगर क्षेत्र से सामने आया एक मामला गैस वितरण व्यवस्था की गंभीर खामियों और एजेंसी प्रबंधन के रवैये पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। अमझोर स्थित एचपी गैस एजेंसी पर अपनी बुकिंग के बावजूद सिलेंडर न मिलने से परेशान युवक अभिजीत कुमार यादव जब जानकारी लेने पहुंचा, तो मामला विवाद में बदल गया। पीड़ित के अनुसार, उसे गैस डिलीवरी का मैसेज पहले ही मिल चुका था, लेकिन कई दिनों तक सिलेंडर नहीं मिलने पर वह एजेंसी पहुंचा और जवाब मांगने लगा। इसी दौरान जब उसने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाना शुरू किया, तो एजेंसी मैनेजर आपा खो बैठा और खुलेआम धमकी देते हुए कहा, तू वीडियो बना ले, जहां भेजना है भेज दे, मैं तुझे गैस नहीं दूंगा। आरोप है कि मैनेजर ने न सिर्फबदसलूकी की, बल्कि युवक पर वीडियो बंद करने का दबाव बनाते हुए मोबाइल छीनने की कोशिश की और हाथापाई पर उतर आया। घटना के बाद पीड़ित युवक ने जयसिंहनगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और वीडियो फुटेज को साक्ष्य के रूप में पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित एजेंसी प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है।

इस घटना ने एक बार फिर जिले में गैस वितरण की अव्यवस्थित प्रणाली, उपभोक्ताओं को हो रही परेशानियों और एजेंसी कर्मचारियों के व्यवहार पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हाल के दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों से सिलेंडर की कमी, डिलीवरी में देरी और उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आम जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ऐसे में यह मामला प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि समय रहते व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा हो सके।

डोगरी टोला की छोटी सी तकनीकी समस्या को इतने दिनों तक क्यों लटकाया गया?

आसवारी के साथ भेदभाव क्यों ? वितरण केंद्र गोहपारू के अंतर्गत आने वाले अन्य क्षेत्रों में काम हो रहा है

नवभारत, गोहपारू। मध्य प्रदेश सरकार एक ओर निर्बाध बिजली आपूर्ति और '181 सीएम हेल्पलाइन' के माध्यम से त्वरित निराकरण के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर शहडोल जिले के गोहपारू वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम आसवारी में जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। यहाँ के डोगरी टोला मोहल्ले में अशोक यादव के घर के पास पिछले कई दिनों से बिजली के खंभे का तार टूटकर लटक रहा है, जिससे पूरा मोहल्ला अंधेरे में डूबा हुआ है।

सिस्टम की विफलता : विभाग और हेल्पलाइन दोनों मौन

मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित पक्ष अशोक यादव ने तत्काल इसकी जानकारी विद्युत वितरण केंद्र गोहपारू के जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों को दी। जब स्थानीय स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तो हार मानकर पीड़ित ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। लेकिन विडंबना देखिए कि आज दिनांक तक न तो कोई लाइनमैन मौके पर पहुँचा और न ही विभाग के आला अधिकारियों ने इस समस्या का संज्ञान लिया। शिकायत दर्ज होने के बावजूद निराकरण शून्य बना हुआ है, जो विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

जनता में भारी आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

डोगरी टोला के निवासियों में विभाग के इस अड़ियल और संवेदनहीन रवैये को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिल की वसूली के लिए विभाग जितनी सक्रियता दिखाता है, उतनी सक्रियता टूटे हुए तारों को जोड़ने या सुधार कार्य में क्यों नहीं दिखाई जाती ? ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर बिजली बहाल नहीं की गई और लटकते तारों को ठीक नहीं किया गया, तो वे गोहपारू विद्युत कार्यालय का घेराव करने को बाध्य होंगे। क्या विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है ? सीएम हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाओं का मजाक उड़ाते ये अधिकारी आखिर किसके संरक्षण में जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं ? डोगरी टोला की जनता आज भी उजाले की बाट जोह रही है। पीड़ित ने सीएम हेल्पलाइन से लेकर 1912 तक मे शिकायत शिकायत किया लेकिन उनके शिकायत को विभाग के द्वारा नजर अंदाज कर दिया जाता है क्यों नहीं हो रहा पीड़ित व्यक्ति का शिकायत का निराकरण ।

इनका कहना है

1 जब इस संबंध मे विद्युत विभाग इंजीनियर गोहपारू से संपर्क किया गया लेकिन उनका फोन नहीं उठा

2 हमारे ग्राम आसवारी मे डोगरी टोला मे एक हफ्ता से तार टूट गया है मैं लिखित शिकायत किया हूं एवं सीएम हेल्पलाइन में शिकायत किया हूं आज दिनांक तक कोई समस्या का समाधान नहीं हो रहा पानी की बहुत समस्या है।

जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड कर रही श्रमिकों का शोषण !

नवभारत,धनपुरी। जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत इन दिनों खूब चर्चाओं में है और चर्चाओं में होने की वजह कोई सकारात्मक नहीं बल्कि नकारात्मक है खबर है कि शहडोल जिला अंतर्गत सीसीएल सोहागपुर क्षेत्र में कार्यरत निजी कंपनी जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा लगातार अपनी कंपनी में कार्यरत श्रमिकों का शारीरिक शोषण किया जा रहा है जो कि सीधा-सीधा श्रम कानून का उल्लंघन हैं जेएमएस कंपनी के द्वारा राजेंद्रा खैरहां एवं बंगवार माइंस में मजदूरों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है जिसके सूत्रधार जेएमएस कंपनी के अधिकृत व्यक्ति हैं जिनका नाम है परमानंद और शिवशंकर इन दोनो व्यक्तियों के द्वारा कोल इंडिया के द्वारा निर्धारित वेतन का एक हिस्सा मजदूरों के ऊपर दबाव डालकर मांग लिया जाता है और जब कोई कर्मचारी देने से मना करता हैं तो उसे कंपनी से निकालने की धमकी साथ ही उसके साथ अमानवीय व्यवहार अख्तियार कर उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल कर उसे झूठे मुकदमे में फंसा दिए जाने की धमकी तक दी जाती है सवाल यह है की आखिर एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन के द्वारा निजी कंपनियों पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है क्या इस वसूली के खेल में प्रबंधन के भी अधिकारियों की भूमिका है जेएमस कंपनी में कार्यरत कर्मियों का वेतन प्रतिदिन 1266 तय है और उतनी ही राशि उनके खाते में हस्तांतरित की जाती है लेकिन जब इन कर्मियों के वेतन का भुगतान हो जाता है तब उसके बाद असली खेल जेएमएस कंपनी के दलालों के द्वारा खेला जाता है वेतन आने के बाद परमानंद और शिवशंकर के द्वारा 400 रुपए प्रत्येक कर्मियों से दबाव डालकर वापस ले लिया जाता है आपको बता दे की वर्ष 2021 से परमानंद इस वसूली के खेल का मुख्य मास्टर माइंड बनकर कार्य कर रहा है सवाल यह की कंपनी के अधिकारी नरेंद्र और प्रतीक के संरक्षण में यह कार्य किया जा रहा है या फिर इसमें केवल शिवशंकर और परमानंद की भूमिका है सूत्रों की माने तो इस पूरे सिंडीकेट के कर्ता धर्ता स्वयं जेएमएस कंपनी के अधिकारी प्रतीक एवं नरेंद्र हैं जिनकी मूक सहमति से मजदूरों का शारीरिक शोषण किया जा रहा है और उनके मौलिक अधिकारों का खुले आम उल्लंघन चरम पर है

क्या है मामला

विगत रात्रि जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत लगभग 150 मजदूरों ने धनपुरी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई की ठेकेदार के द्वारा जबरन हमसे हमारे वेतन का हिस्सा मांगा जाता है और नही देने पर नौकरी से निकाल देने की धमकी दी जाती है मजदूरों ने बताया की परमानंद और शिवशंकर को जेएमएस कंपनी का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है जिसकी वजह से इनके हौसले बुलंद हैं और यह लगातार इनके ही अभयदान में हमारा शारीरिक शोषण कर रहे हैं मजदूरों ने बताया की आठ घंटे की जगह हमसे दस घंटे ड्यूटी करवाई जाती है किसी भी प्रकार से हमारे प्रति मानवता ना दिखाकर अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया जाता है जिससे आहत होकर हम आज धनपुरी थाने पहुंचे हैं और अपने अधिकारों की रक्षा की गुहार लगाई है।

जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के क्षेत्रीय मुखिया कामेश्वर सिंह से जब उनके निजी नंबर पर कॉल करके उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई थी कई बार फोन पर रिंग जाने के बावजूद भी इनके द्वारा फोन नही उठाया गया जिससे प्रतीत होता है की कहीं न कहीं इस पूरे मामले में बराबर की हिस्सेदारी सभी की तय है ।

कलश यात्रा के साथ गूंजा भक्ति का स्वर, शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा

हनुमान मंदिर से कथा स्थल तक निकली श्रद्धा की अलौकिक यात्रा

नवभारत,शहडोल। शहर की पुरानी बस्ती स्थित वार्ड क्रमांक 37 इन दिनों पूर्णत: भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ है। 28 मार्च 2026 से 04 अप्रैल 2026 तक आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। प्रथम दिवस श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे और जयकारों के साथ श्री कल्याणपुर धाम से कथा स्थल तक भव्य कलश यात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। इस दिव्य आयोजन का संचालन त्रिभुवन मिश्रा एवं श्रीमती देववती के सानिध्य में किया जा रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं। कथा वाचन के लिए श्रीधाम वृंदावन से पधारे परम पूज्य आचार्य श्री राघव कृष्ण जी महाराज अपनी मधुर एवं ओजस्वी वाणी से भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन कर रहे हैं। उनकी वाणी से कथा स्थल पर भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा है। द्वितीय दिवस आचार्य श्री ने शुकदेव जन्म एवं राजा परीक्षित जन्म की मनोहर कथा सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। आयोजन को लेकर मिश्र परिवार में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के प्रेषक पुष्पेन्द्र मिश्रा-श्रीमती अनीता, अशोक मिश्रा-श्रीमती जया मिश्रा एवं ज्ञानेन्द्र मिश्रा-श्रीमती पूनम मिश्रा ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार शामिल होकर कथा का पुण्य लाभ लेने की अपील की है। वहीं परिवार के अंशु, अदित्या, अंशिका, अदिति, हर्षिता, अर्जिता सहित अन्य सदस्यों ने भी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया है। कथा प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक पूजन एवं पारायण, दोपहर 3 बजे से हरि इच्छा तक मुख्य कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए यह आयोजन न केवल भक्ति का अवसर है, बल्कि आत्मिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का भी माध्यम बन रहा है।

उत्पादन

महाप्रबंधक के नेतृत्व में आगे बढ़ता सोहागपुर एरिया , 2026 -27 का भी मिला नया कोयला उत्पादन लक्ष्य , करना होगा 77 लाख टन कोयला उत्पादन

6 वर्ष के बाद एक दिन में हुआ 24000 टन से अधिक कोयला उत्पादन

नवभारत, धनपुरी। मुश्किल दौर से गुजरने के बाद एक बार फिर एसईसीएल सोहागपुर एरिया नए-नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए देखा जा रहा है जो कहीं ना कहीं एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है 2026 में अगर देखा जाए तो कोयला उत्पादन को लेकर एरिया प्रबंधन के सामने एक बड़ी चुनौती थी एक तरफ जहां मार्च 2026 में महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा सेवानिवृत हुए उनके स्थान पर मुख्यालय से संदीप परांजपे को एरिया की कमान दी गई लेकिन उनकी पदोन्नति भी डायरेक्टर टेक्निकल के पद पर हो गई और इस तरह फिर बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा बीके जेना को सोहागपुर एरिया की कमान दी गई जिनके सामने चुनौती काफी कठिन थी अमली ओपन कास्ट जहां पर कोयला उत्पादन न होने से उनके सामने एक गंभीर परेशानी बनी हुई थी दूसरी तरफ दो भूमिगत खदान जहां पर सीएम प्रोजेक्ट का काम अति शीघ्र पूरा करना था उसे लेकर भी महाप्रबंधक के सामने एक बड़ी चुनौती थी समय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा था एरिया को अपना कोयला

उत्पादन पूरा करने के लिए और अधिक मेहनत करनी पड़ रही थी चिंता साफ तौर पर देखी जा रही थी और ऐसे में लक्ष्य जो करीब आता जा रहा था और उसे पूरा करने का दबाव साफ तौर पर प्रबंधन के सामने देखने को मिल रहा था ऐसे में एरिया महाप्रबंधक बीके जेना परिस्थितियों को अनुकूल बनाने की दिशा में आगे बढ़ना शुरू किया और उसके परिणाम अब एरिया में एक सार्थक रूप में नजर आने लगा है यही कारण है कि 6 वर्ष के बाद एक ही दिन में सबसे अधिक कोयला उत्पादन करने का एक नया कीर्तिमान एरिया ने बनाया जो महाप्रबंधक की कुशल रणनीति मानी जा सकती है विगत दिनों एरिया में 24100 टन कोयला उत्पादन हुआ जो इस वर्ष सबसे अधिक भी था और 6 वर्ष के बाद यह अवसर भी आया यह कोयला उत्पादन प्रबंधन के लिए एक बड़ी खुशी का भी दिन कहा जा सकता है क्योंकि प्रबंधन लगातार उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही थी और यही कारण था कि उसे यह सफलता मिली।

एक दिन में 10000 टन हो रहा कोयला उत्पादन

वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो रामपुर ओपन कास्ट जो लगातार कोयला उत्पादन को लेकर नए-नए कीर्तिमान बना रही है एक दिन में 10000 टन कोयला उत्पादन यहां पर लगातार दर्ज किया जा रहा है तो दूसरी तरफ बंगवार भूमिगत खदान भी लगातार उत्पादन में दूसरा स्थान अर्जित कर रही है अमली ओपन कास्ट में भी उत्पादन की रफ्तार बढ़ती देखी जा रही है और यहां पर अभी 3000 टन के आसपास कोयला उत्पादन हो रहा है जो आने वाले दिनों में और अधिक देखने को मिलेगा वर्तमान में अगर देखा जाए तो एरिया की समस्त खदानों में उत्पादन बढ़ रहा है एरिया महाप्रबंधक लगातार खदानों का निरीक्षण कर रहे हैं कोयला उत्पादन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक हो जहां पर परेशानी आ रही उसे दूर करना हो उनके प्राथमिकता में भी देखा जा रहा है ऐसे में यह उम्मीद भी अब नजर आ रही है की कोयला उत्पादन को लेकर आने वाले समय में यह एरिया नए-नए कीर्तिमान बनाते हुए देखा जाएगा कोयला खदानों में जो कठिन स्थिति देखी जा रही थी आज कहीं ना कहीं एरिया महाप्रबंधक के नेतृत्व में स्थिति बेहतर होती हुई नजर आ रही है और आने वाले समय में स्थिति और अच्छी होने की उम्मीद जताई जा रही है। 2025- 26 में कोयला उत्पादन को लेकर मुख्यालय के द्वारा जो लक्ष्य दिया गया वह अभी दूर है और शायद वह पूरा भी ना कर सके लेकिन इसकी वजह एक ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन समय से शुरू न हो पाना भी है लेकिन इसके बाद भी उत्पादन बढ़ाने को लेकर प्रबंधन लगातार प्रयास करते हुए देखा गया जिस कारण से ही उत्पादन बढ़ा और वह अपने लक्ष्य के इतने करीब भी पहुंच गया जो शायद पूर्व में उम्मीद के मुताबिक नजर नहीं आ रहा था। अब बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा 1 अप्रैल 2026 से 1 मार्च 27 का भी लक्ष्य दे दिया गया है जो करीब 77 लाख टन का है और इसे एक बड़ा लक्ष्य माना जा सकता है लेकिन जिस तरह से वर्तमान में कोयला उत्पादन रफ्तार पकड़ते हुए देखा जा रहा है उसे देखकर अभी से इस बात को कहा जा सकता है कि जिस तरह से अब कोयला उत्पादन खदानों में अपनी रफ्तार पकड़ रही है तो जो नया लक्ष्य मिला है उसे पूरा करना प्रबंधन के लिए कोई मुश्किल लक्ष्य नहीं होगा नए वार्षिक लक्ष्य को लेकर अगर देखा जाए तो सबसे अधिक लक्ष्य रामपुर ओपन कास्ट को दिया गया है जिसे एक वर्ष में 32 लाख टन कोयला उत्पादन करना होगा दूसरी अमली ओपन कास्ट खदान को लक्ष्य दिया गया है जिसे 15 लाख टन कोयला उत्पादन करना होगा और इसके साथ-साथ अगर भूमिगत खदानों में देखा जाए तो खैरहा को 12 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है और इन तीनों ही खदानों में उत्पादन बढ़ता हुआ ही देखा गया है और जो नए वर्ष में लक्ष्य दिया गया है वर्तमान उत्पादन को देखते हुए इनके सामने कोई मुश्किल भरा लक्ष्य नहीं होगा।

महावीर जयंती के अवसर पर आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

नवभारत,शहडोल । कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ केदार सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार, वर्ष 2026 के लिए घोषित सामान्य अवकाश में संशोधन किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार पूर्व में महावीर जयंती का अवकाश दिनांक 31 मार्च 2026 को घोषित किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार जैन समाज द्वारा महावीर जयंती का पर्व दिनांक 30 मार्च 2026 (सोमवार) को मनाया जाना सुनिश्चित हुआ है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने संशोधित आदेश जारी करते हुए 31 मार्च 2026 के स्थान पर अब 30 मार्च 2026 को शहडोल जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। 31 मार्च 2026 (मंगलवार) को जिले के सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं यथावत खुली रहेंगी।

कानूनी जागरूकता को मिलेगी नई दिशा

एडवोकेट शेखर खान बने कोशिश लीगल अवेयरनेस सोसायटी के जिला अध्यक्ष

नवभारत,शहडोल । जिले में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आमजन तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'कोशिश लीगल अवेयरनेस सोसाइटी' ने अनुभवी विधि विशेषज्ञ एडवोकेट शेखर खान को शहडोल का जिला अध्यक्ष नियुक्त कर संगठन को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह नियुक्ति न केवल संस्था के विस्तार की दृष्टि से अहम मानी जा रही है, बल्कि इससे जिले में कानूनी सहायता और जागरूकता अभियानों को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। संस्था के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेषकर अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक भारतीय संविधान, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और कानूनी प्रक्रियाओं की सही और सरल जानकारी पहुंचाना है। एडवोकेट शेखर खान के नेतृत्व में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नि:शुल्क कानूनी सलाह शिविर (लीगल एड कैंप) आयोजित किए जाएंगे, जहां जरूरतमंदों को त्वरित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही नागरिकों में जागरूकता, जिम्मेदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने पर भी विशेष जोर रहेगा। युवाओं को ध्यान में रखते हुए संस्था प्रतियोगी परीक्षाओं और शासकीय सेवाओं के प्रति मार्गदर्शन कार्यक्रम भी चलाएगी, जिससे छात्र-छात्राओं को अपने करियर को लेकर सही दिशा मिल सके। संस्था के अध्यक्ष शेख अलीम और सचिव इम्तियाज मंसूरी ने इस नियुक्ति पर विश्वास जताते हुए कहा कि शेखर खान का अनुभव और सक्रियता निश्चित रूप से संगठन के उद्देश्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगी।इस नियुक्ति से शहडोल जिले के नागरिकों में उत्साह का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि अब कानूनी जानकारी के अभाव में कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहेगा और जरूरतमंदों को समय पर सही सलाह और सहयोग मिल सकेगा।